Shambhukritam 1 Vishnu Stotram

शम्भुकृतं १ विष्णुस्तोत्रम्

Document Information

Text title : Shambhukritam 1 Vishnu Stotram

File name : shambhukRRitaM1viShNustotram.itx

Category : vishhnu, vishnu, bRRihannAradIyapurANa, stotra

Location : doc_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : bRRihannAradIyapurANa | uttarabhAga | adhyAya 29/39-49||

Latest update : October 26, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

October 26, 2024

sanskritdocuments.org

Shambhukritam 1 Vishnu Stotram

शम्भुकृतं १ विष्णुस्तोत्रम्

शम्भुरुवाच ।
नापश्यत्तामनुप्राप्तां ब्रह्महत्यां बहिः स्थिताम् ।
ततोऽसौ वैष्णवं ज्ञात्वा क्षेत्रं दुरितनाशनम् ।
तुष्टाव प्रयतो भूत्वा माधवं वन्द्यमीश्वरम् ॥ २९-३८॥

जय जय जगदीश नाथ विष्णो जगदानन्दनिधान वेदवेद्य ।
मधुमथन नृसिंह पीतवासो गरुडाधिष्ठित माधवादिदेव ॥ २९-३९॥

व्रजरमण रमेश राधिकेश त्रिदशेशाखिलकामपूर कृष्ण ।
सुरवरकरुणार्णवार्तिनाशिन्नलिनाक्षाधिपते विभो परेश ॥ २९-४०॥

यदुकुलतिलकाब्धिवास शौरे कुधरोद्धारविधानदक्ष धन्विन् ।
कलिकलुषहराङ्घ्रिपद्मयुग्म गृणदात्मप्रद कूर्म कश्यपोत्थ ॥ २९-४१॥

कुकुपतिवनपावकाखिलेज्यास्त्रपकालासितवस्त्र बुद्ध कल्किन् ।
भवभयहर भक्तवश्य गोप प्रणत्तोद्धारक पुण्यकीर्तिनाम ॥ २९-४२॥

धरणिभरहरासुरारिपूज्य प्रकृतीशेश जगन्निवास राम ।
गुणगणविलसच्चराचरेश त्रिगुणातीत सनातनाग्रपूज्य ।
निजजनपरिरक्षितान्तकारे कमलाङ्घ्रे कमनीय पद्मनाभ ।
कमलकर कुशेशयाधिवास प्रियकामोन्मथन त्र्यधीशवन्द्य ॥ २९-४३॥

अघहर रघुनाथ यादवेश प्रियभूदेव परात्परामरेज्य ।
हलधर दुरितापह प्रणम्य त्रिगुणव्याप्त जगत्त्रिकालदक्ष ॥ २९-४४॥

दनुजकुलविनाशनैककर्मन्नघारूढफणीश कंसकाल ।
रविशशिनयन प्रगल्भचेष्ट प्रधुतध्वान्त नवाम्बुदाभ मेश ॥ २९-४५॥

मख मखधर मातृबद्धदामन्नवनीतप्रिय बल्लवीगणेश ।
अघबकवृषकेशिपूतनान्त त्रिशिरोवालिदशास्यभेदकारिन् ॥ २९-४६॥

नरकमुरविनाश बाणदोःकृत्तिपुरारीज्य सुदाममित्र सेव्य ।
भवतरणिवहित्रपादपद्म प्रकटैश्वर्य पुराण पूर्णबाहो ॥ २९-४७॥

बहुजनिसुकृताप्य मङ्गलार्ह श्रुतिवेद्य श्रुतिधाम शान्तशुद्ध ।
तव वरद वरेण्यमङ्घ्रियुग्मं शरणं प्राप्तमघार्दितं प्रपाहि ॥ २९-४८॥

न हि मम गतिदं पुराणपुंसोऽन्यदिति प्रार्थनया प्रसीदऽमेद्य ॥ २९-४९॥

इति स्तुतो जगन्नाथो भक्त्या देवेन शम्भुना ।
आविर्बभूव सहसा माधवो भक्तवत्सलः ॥ २९-५०॥

इति नारदपुराणे उत्तरभागे एकोनत्रिंशाध्यायान्तर्गतं
शम्भुकृतं विष्णुस्तोत्रं समाप्तम् ।

बृहन्नारदीयपुराण । उत्तरभाग । अध्याय २९/३९-४९॥

bRRihannAradIyapurANa . uttarabhAga . adhyAya 29/39-49..

Proofread by PSA Easwaran

Shambhukritam 1 Vishnu Stotram
pdf was typeset on October 26, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*